भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2393

उत्तर देने की तारीख 15.12.2025

राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला के कार्यकलाप

2393. डॉ. थोल तिरूमावलवन :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत पांच वर्षों के दौरान सांस्कृतिक संपत्ति के संरक्षण हेतु राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला के कार्यकलापों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने विगत पांच वर्षों के दौरान अपने कार्यकलापों के लिए कोई निधि आवंटित की है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री

(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): विवरण **अनुलग्नक-I** पर संलग्न है।

(ख) और (ग): जी हाँ. विवरण नीचे दिया गया है:-

वित्तीय वर्ष	आवंटित बजट (लाख रु. में)	व्यय (लाख रु. में)
2021-22	919.22	842.22
2022-23	539.00	465.48
2023-24	454.07	412.78
2024-25	419.72	403.68
2025-26 (30.11.2025 तक)	488.00	293.53

*****

अनुलग्नक-I

'राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला के कार्यकलाप' के संबंध में दिनांक 15 दिसम्बर 2025 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2393 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

राष्ट्रीय सांस्कृतिक संपदा संरक्षण अनुसंधानशाला (एनआरएलसी) की पिछले पाँच वर्षों की गतिविधियों का विवरण

राष्ट्रीय सांस्कृतिक संपदा संरक्षण अनुसंधानशाला (एनआरएलसी), लखनऊ संस्कृति मंत्रालय का एक अधीनस्थ कार्यालय है, जिसकी स्थापना 1976 में की गई थी। यह एक प्रमुख अनुसंधान संगठन है जिसका अधिदेश काल-निर्धारण, पर्यावरणीय पुरातत्व, भौतिक और रासायनिक माध्यमों से तकनीकी अध्ययन, संरक्षण पद्धति, संदर्भ प्रलेखन, अन्य प्रयोगशालाओं को सहायता प्रदान करना, संग्रहालयों-राज्य पुरातत्व विभागों-एएसआई-विश्वविद्यालयों-पुस्तकालयों जिनके पास प्रयोगशाला नहीं है, को सहायता प्रदान करना, संरक्षण में प्रशिक्षण और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय निकायों के साथ संपर्क स्थापित करना है।

2. राष्ट्रीय सांस्कृतिक संपदा संरक्षण अनुसंधानशाला (एनआरएलसी) की पिछले पाँच वर्षों की विभिन्न क्षेत्रों में गतिविधियों का विवरण निम्नानुसार है:-

अनुसंधान

चालू परियोजनाएँ

1. इफेक्ट ऑफ टिन इन ब्रांज एलॉयज ऑन दि कोरोजन प्रोटेक्शन एफिकेसी ऑफ मोडिफाइड पैरालॉयड बी72 कोटिंग, प्रधान अन्वेषक: डॉ. प्रीति वर्मा, वित्तपोषण एजेंसी: डीएसटी-एसएचआरआई, परियोजना लागत: 62 लाख (लगभग)
2. इवेल्यूवेशन ऑफ सिलेन कोटिंग्स फॉर एनहेंसिंग कोरोजन रेजिस्टेंस ऑफ कॉपर कल्चरल आर्टिफेक्ट, प्रधान अन्वेषक: डॉ. प्रीति वर्मा
3. इफेक्ट ऑफ कपराइट एंड मेलाकाइट लेयर्स ऑन दि कोरोजन प्रोटेक्शन एफिकेसी ऑफ पैरालॉयड बी72 एंड पीएमएमए कोटिंग्स ऑन कॉपर सब्सट्रैक्ट्स, प्रधान अन्वेषक: डॉ. प्रीति वर्मा, परियोजना सदस्य : श्री शैलेश बी.
4. दि इफेक्ट ऑफ डिफरेंट एडिटिव प्रोपोर्शंस ऑन दि कंप्रेसिव स्ट्रेंथ ऑफ मोर्टार प्रीपेयर्ड एज पर दि एएसटीएम स्टैण्डर्ड, मुख्य अन्वेषक: डॉ. के.एस.एस. मोनिका, सह-पीआई: डॉ. प्रीति वर्मा (प्रोजेक्ट शुरू किया जाना है)
5. दि इंपैक्ट ऑफ यूवी एक्सपोज़र, रिलेटिव ह्यूमिडिटी, टेम्परेचर एण्ड सॉल्ट स्प्रे टेस्ट ऑन दि ड्यूरेबिलिटी ऑफ दीज मोर्टार सैंपल, डॉ. के.एस.एस. मोनिका, सह-पीआई: डॉ. प्रीति वर्मा (परियोजना शुरू की जानी है)

पूर्ण परियोजनाएं

1. कोरोजन प्रोटेक्शन पर्फोमेंस ऑफ पैरालॉयड बी72 मोडिफाइड बाय डिस्पर्सन ऑफ नैनो एल्युमिनियम ऑक्साइड पाउडर ऑन आयरन यूजिंग इआईएस, प्रधान अन्वेषक: डॉ. प्रीति वर्मा, आईएनएसए द्वारा प्रायोजित

2. इन्फ्ल्युएंस ऑफ पॉलीविनाइल एसीटेट कोटिंग कंसंट्रेशन ऑन कोरोजन बिहेवियर ऑफ कॉपर: इन पर्सपेक्टिव ऑफ कल्चरल आर्टिफैक्ट्स, प्रधान अन्वेषक: डॉ. प्रीति वर्मा

3. इलेक्ट्रोकेमिकल इम्पीडेंस एंड सरफेस कैरेक्टराइजेशन ऑफ माइक्रोक्रिस्टलाइन वैक्स कोटिंग ऑन कॉपर फार कंजर्वेशन एप्लीकेशन, प्रधान अन्वेषक: डॉ. प्रीति वर्मा

4. विभिन्न अवधि और क्षेत्रों जैसे कौशाम्बी, ससानियन, मुगल, ब्रिटिश सिक्कों के तांबे मिश्र धातु के सिक्कों का संरचना-गुण-धर्म सह-संबंध, मुख्य अन्वेषक: डॉ प्रीति वर्मा

प्रकाशन

1) तहसीन करचे, एम.आर. सिंह (2021), बायोलॉजिकली इंडयूस्ड कैल्शियम ऑक्सलेट मिनरलाईजेशन ऑन 15वीं सेंचुरी लाइम मोर्टार, मुरुड सीफोर्ट, इंडिया, जर्नल ऑफ आर्कियोलॉजिकल साइंस: रिपोर्ट्स, https://doi.org/10.1016/j.jasrep.2021.103178
2) अंजलि शर्मा, एमआर सिंह (2021), ए रिव्यू ऑन हिस्टो रिकल अर्थ पिगमेंटस यूज्ड इन इंडियाज वॉल पेंटिंग्स हेरिटेज, https://doi.org/10.3390/heritage 4030112
3) एमआर सिंह, के. गणराज, वी.एम. शर्मा (2021), माइक्रोबियल एक्टिविटी एंड स्टडीज ऑन एक्सकेवेटेड मेगालिथिक माइकेशियस पाटशर्ड फ्रॉम पेनिनस्युलर इंडिया, सेरमिका, 67 (2021) 250-260, http://dx.doi.org/10.1590/0366-69132021673823026
4) दीपाक्षी शर्मा, एम.आर. सिंह, एम. वेलायुधन नायर (2021), साइंटिफिक एनालिसिस ऑफ इंडिजिनस मेटिरियल इन इंडियन पाम लीफ मैनुस्क्रिप्ट, आईसीओएम-सीसी, 19वां त्रिवार्षिक सम्मेलन, 2021 बीजिंग
5) बी. दिघे, एम.आर सिंह, टी. करचे (2021), ट्रेडिशनल यूज ऑफ आर्गेनिक एडिटिव (बेम्बू फालिऐज, फ्लैक्स फाइबर एंड मिलेट ग्रेन्स) इन सिक्स्टींथ सेंचुरी लाइम प्लास्टर ऑफ सोलापुर फोर्ट, इंडिया, इंडियन जर्नल ऑफ ट्रेडिशनल नॉलेज, खंड 20(1), जनवरी 2021, पृ. 106-116
6) वंदना सिंह, एम.आर. सिंह (2021), माइक्रोस्कोपिक इमेजिंग ऑफ एन्ट्रप्ड स्लैग इन एंसियंट आयरन आर्टिफेक्ट (300 ईसा पूर्व) फ्रॉम दि मिडिल गंगा प्लेन्स ऑफ इंडिया, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हिस्ट्री ऑफ साइंस, खण्ड 55.4, पीपी 1-9।
7) अंजलि शर्मा, एमआर सिंह और करमबीर सिंह (2021), ट्रांसफर ऑफ वॉल पेंटिंग्स इन इंडिया: ए रिव्यू एंड अप्रोच, स्टडीज़ इन कंज़र्वेशन डीओआई :10.1080/00393630. 2021.1890425
8) शिव शंकर पांडा, नीना सिंह और एम.आर. सिंह (2021), डेवलेपमेंट, केरेक्ट्राइजेशन ऑफ

ट्रेडिशनल इंक फार रेस्टोरेशन ऑफ एन्सियंट मैनुस्क्रिप्ट एंड एप्लीकेशन ऑन वेरियस सब्सट्रैक्ट्स टू अंडरस्टैंड स्टैबिलिटी, https://doi.org/10.1016/j. वीआईबीएसपीईसी. 2021.103232

9) प्रीति वर्मा एट अल., "इंफ्लुएंस ऑफ पॉलीविनाइल एसीटेट कोटिंग कान्संट्रेशन ऑन कोरोजन बिहेवियर ऑफ कॉपर: इनपर्सपेक्टिव ऑफ कल्चरल आर्टिफैक्टस", कैनेडियन मेटलर्जिकल क्वार्टरली (2025): 1-10।

10) प्रीति वर्मा एट अल., माइक्रोस्ट्रक्चरल कैरेक्टराइजेशन ऑफ अर्ली ट्वंटियथ-सेंचुरी ब्रिटिश पीरियड इंडियन कॉपर कोइंस, एक्स-रे स्पेक्ट्रोमेट्री, 50 (6) (2021): 482-490

11) प्रीति वर्मा एट अल., माइक्रोस्कोसपिक एग्जामिनेशन ऑफ दि 2,300 इयर ओल्ड एक्सकेवेटेड स्टील प्लोशेयर फ्रॉम नार्दर्न इंडिया, एक्स-रे स्पेक्ट्रोमेट्री 48 (6) 674-681

12) प्रीति वर्मा एट अल., मेटलर्जिकल इन्वेंस्टिगेशन्स इंडो- सासानियन कॉपर-सिल्वर अलॉय कॉइन्स ऑफ गुर्जर-प्रतिहार डाईनेस्टीट, मेटलर्जिकल और मैटेरियल्स इंजीनियरिंग (2020) आईएसएसएन 2217-8961

13) प्रीति वर्मा एट अल, "माइक्रोस्ट्रक्चरल कैरेक्टराइजेशन ऑफ हाई टिन ब्रॉन्ज़ मिरर, अर्नामुला, केरल", रिसर्च एंड डेवलपमेंट इन मेटेरियल प्रोसेसिंग, मॉडलिंग एंड कैरेक्टराइजेशन (आरडीएमपीएमसी 2020), 24-26 अगस्त, 2020, एनआईटी जमशेदपुर।

14) प्रीति वर्मा एट अल., माइक्रोस्ट्रक्चरल कैरेक्टराइजेशन ऑफ अर्ली ट्वेंटिएथ सेंचुरी ब्रिटिश पीरियड इंडियन कॉपर काइन्स, वेबिनार फार यंग रिसर्चर्स इन मेटालर्जिकल एंड मेटेरियल साइंस, 12-14 अगस्त, 2020, सीएसआईआर-एनएमएल।

15) प्रीति वर्मा, एट अल. दि कोरोजन बिहेवियर आफॅ दि पैरालॉइड बी72 प्रोटेक्टिव कोटिंग ऑन कॉपर यूजिंग ईआईएस, इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कोरोजन एंड कोटिंग (आई3सी), 07-08 दिसंबर, 2022, सीएसआईआर, एनएमएल

16) प्रीति वर्मा एट अल. इफेक्ट ऑफ कान्संट्रेशन एंड मल्टीलेयर्ड पैरालॉयड बी72 कोटिंग ऑन कोरोजन बिहेवियर ऑफ माइल्ड स्टील, ईआईएस, इंटरनेशनल कान्फ्रेंस ऑन कोरोजन एंड कोटिंग (आई3सी), 07-08 फरवरी, 2022, सीएसआईआर, एनएमएल।

17) धातुओं की कलाकृतियों के संरक्षण पर एक पुस्तक भी अंतिम चरण में है।

18) 05 पांडुलिपियां समीक्षाधीन हैं और प्रस्तुत की जानी हैं।

19) संजय प्रसाद गुप्ता और सचिन कुमार अग्निहोत्री (2025). फंगल डेटेरियोरेशन ऑफ मॉन्यूमेंट विद स्पेशल रेफरेंस टू एस्परगिलस: एक केस स्टडी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डेवलपमेंट रिसर्च. 15 (01): 67586-67588.

20) संजय प्रसाद गुप्ता (2025). ईको फ्रेंडली मेथड्स टू कंट्रोल बायो-डेटेरियोरेशन ऑफ कल्चरल प्रापर्टी, कंजर्वेशन ऑफ कल्चरल प्रॉपर्टी इन इंडिया, खण्ड (43):190-193।

21) संजय प्रसाद गुप्ता और सचिन कुमार अग्निहोत्री (2025). फंगल डेटेरियोरेशन ऑफ मॉन्यूमेंट विद स्पेशल रेफरेंस टू एस्परगिलस: एक केस स्टडी. कंजर्वेशन ऑफ कल्चरल प्रॉपर्टी इन इंडिया, खंड (43):169-173.

22) 23 से 25 सितंबर, 2025 को असम राज्य संग्रहालय, गुवाहाटी में आयोजित सांस्कृतिक संपत्ति के संरक्षण पर आईएएससी के 52वें राष्ट्रीय सम्मेलन में "प्रिजर्विंग कल्चरल हैरिटेज

थ्रू नेचुरल इंसेक्ट रेपलेंट- सस्टेनेबल स्ट्रेटेजिज फार साइंटिफिक कंजरवेशन एंड प्रिजर्वेशन ऑफ कल्चरल प्रॉपर्टी" शीर्षक पर प्रस्तुति।

23) आईसीबीसीपी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 25 से 27 फरवरी, 2025 तक मणिपुर विश्वविद्यालय, इंफाल में "बायो-डेटेरियोरेशन ऑफ कल्चरल प्रॉपर्टी एंड देअर ईको फ्रेंडली कंजर्वेशन" शीर्षक पर प्रस्तुति।

24) संजय प्रसाद गुप्ता और सचिन कुमार अग्निहोत्री (2024). फंगल डेटेरियोरेशन ऑफ मॉन्यूमेंट विद रेफरेंस टू क्वीन मॉस्कि एंड टाम्ब एट सारंगपुर, अहमदाबाद, इंडिया। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजी इनोवेशन, 7 (2): 149-152।

25) संजय प्रसाद गुप्ता और सचिन कुमार अग्निहोत्री (2024). बायो डेटेरियोरेशन एंड साइंटिफिक प्रिजर्वेशन ऑफ क्वीन्स मॉस्क, जे. एनव. साइ. पोल्यूट. रेस. 10(3): 498–500।

26) संजय प्रसाद गुप्ता और इलियास अहमद. (2024). न्यूर एप्रोच फॉर रेस्टोरेशन ऑफ आइवरी एंड आइवरी इनले ऑब्जेक्ट विद रेफरेंस टू ऑब्जेक्ट एट महाराजा लक्ष्मीश्वर सिंह म्यूजियम, दरभंगा, इंडिया: ए केस स्टडी। कंजर्वेशन ऑफ कल्चरल प्रोपर्टी इन इंडिया खण्ड (42):142-146.

27) 14-15 सितंबर, 2024 तक एमएमसीएफ, उदयपुर में आयोजित प्राचीन एवं ऐतिहासिक धातुओं के संरक्षण, प्रौद्योगिकी एवं वैज्ञानिक अध्ययन पर आईएएससी के 51वें राष्ट्रीय सम्मेलन में "सांस्कृतिक संपदा के जैव-क्षरण को नियंत्रित करने के लिए पर्यावरण-अनुकूल तरीके" शीर्षक पर प्रस्तुति।

28) पर्यावरण और समाज कल्याण सोसायटी, खजुराहो द्वारा आयोजित ईएसडब्ल्यू XIवें वार्षिक राष्ट्रीय अनुसंधान सम्मेलन में "प्राचीन स्मारकों का जैव क्षरण: कारण और उपचारात्मक उपाय" शीर्षक पर प्रस्तुति 28-29 जनवरी, 2024 को खजुराहो में आयोजित की गई।

29) संजय प्रसाद गुप्ता और इलियास अहमद. कंजर्वेशन ऑफ वूडन मॉन्यूमेंटस ऑफ मालदीव: एन एंडेवर ऑफ पद्मश्री ओपी अग्रवाल गेन्स रेपुटेशन टू दि नेशन। सांस्कृतिक संपदा के जैवक्षरण और धरोहर भवनों के संरक्षण पर शोध नामक पुस्तक में एक अध्याय, माया पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 259-280, 2023।

30) संजय प्रसाद गुप्ता और इलियास अहमद. (2024). न्यू एप्रोच फॉर रेस्टोरेशन ऑफ आइवरी एंड आइवरी इनले ऑब्जेक्ट विद रेफरेंस टू ऑब्जेक्ट एट महाराजा लक्ष्मीश्वर सिंह म्यूजियम, दरभंगा, इंडिया: ए केस स्टडी। कंजरर्वेशन ऑफ कल्चरल प्रोपर्टी इन इंडिया खण्ड (42):142-146.

31) संजय प्रसाद गुप्ता और सचिन कुमार अग्निहोत्री, फंगल डेटेरियोरेशन ऑफ हिस्टोरिकल मॉन्यूमेंट विद रेफरेंस टू जलेश्वरनाथ टेंपल ऑफ शिवपुर, छत्तीसगढ़, भारत। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजी साइंसेज, 5(2): 19-21, 2023।

32) संजय प्रसाद गुप्ता और सचिन कुमार अग्निहोत्री. फंगल इन्वॉल्वमेंट इन बायो वीदरिंग ऑफ हिस्टोरिकल मॉन्यूमेंट विद रेफरेंस टू बटेश्वर हिंदू टेंपल्स, मध्य प्रदेश का मुरैना शहर, भारत। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ करंट रिसर्च खण्ड 15अंक, 08 पृष्ठ 25631-25634 अगस्त, 2023।

33) एसपी गुप्ता और एसके अग्निहोत्री. आइसोलेशन एंड आइडेंटिफिकेशन ऑफ फंगल, स्पीशिज एंड साइंटिफिक प्रिजर्वेशन ऑफ वर्ल्ड हेरिटेज: फतेहपुर सीकरी, उत्तर प्रदेश, भारत।

34) संजय प्रसाद गुहा और अतुल कुमार यादव द्वारा लिखित, "सांस्कृतिक विरासत संरक्षण के क्षेत्र में आधुनिक परिप्रेक्ष्य" नामक पुस्तक, माया पब्लिकेशन, नई दिल्ली द्वारा हिंदी में प्रकाशित। संजय प्रसाद गुप्ता। फंगल इन्वॉल्वमेंट इन बायो वीदरिंग ऑफ हिस्टोरिकल मॉन्यूमेंट विद रेफरेंस टू गोपेश्वर शहर, गोपीनाथ मंदिर, चमोली, उत्तराखंड, भारत। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रिसर्च (आईजेएसआर)। खंड-12 (1), 356-358:2023।

35) संजय प्रसाद गुप्ता और मनोज कुमार कुर्मी. इंपेक्ट ऑफ फंगी ऑन हिस्टोरिकल मॉन्यूमेंट विद रेफरेंस टू महादेव टैंपल बस्तर छत्तीसगढ़. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइफ साइंस एंड रिसर्च आर्काइव, 04(01,001-005:2023).

36) संजय प्रसाद गुप्ता और रोहित मिश्रा. फंगल इन्वॉल्वमेंट इन बायो वीदरिंग ऑफ हिस्टोरिकल मॉन्यूमेंट विद रेफरेंस टू रूमी दरवाज़ा लखनऊ (उत्तर प्रदेश), इंडिया, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी रिसर्च आर्काइव, 04(01), 222-225:2023 संजय प्रसाद गुप्ता और नितिन कुमार मौर्य. माइक्रोबियल स्टडीज़ टू इवेल्यूएट बायो-डेटेरियोरेशन ऑफ ऑयल पेंटिंग ऑन मेसोनाइट बोर्ड एंड इट्स कंज़र्वेशन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ साइंस एंड रिसर्च (आईजेएसआर) 11:1,723-728:2022।

37) संजय प्रसाद गुप्ता और इलियास अहमद. सलेक्शन ऑफ एडहेसिव एंड फिलर्स इन कंजर्वेशन ऑफ वुडन मॉन्यूमेंट डेटोरेटिड बाई टर्माइट विद रेफरेंस टू धारुमावंथा रसेगाफ़ानू मस्जिद, माले, मालदीव, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ करेंट रिसर्च, 14, (02), 20596-20600: 2022.

38) संजय प्रसाद गुप्ता एट अल. सेनेटाइजेशन-मिडियेटिड कंजर्वेशन थेरेपी ऑफ कल्चरल प्रॉपर्टी इन कोविड सिचुएशन-एन ईको फ्रेंडली एप्रोच. जर्मन जर्नल ऑफ एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च (एजेएएसआर), खंड 1, अंक 1, पृष्ठ 1-4:2021।

39) संजय प्रसाद गुप्ता एट अल. एफिकेसी ऑफ नेचुरल प्लांट प्रोडक्ट फॉर प्रिवेंटिव प्रिजर्वेशन ऑफ डॉक्यूमेंट्री हैरिटेज अगेंस्ट एस्परगिलस फ्लेवस: ए केस स्टडी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंजर्व साइंस 12, 2,: 443-450 444:2021.

संरक्षण

क्रम सं.	परियोजना का नाम	वस्तुओं की प्रकृति	संरक्षित वस्तुओं की संख्या
	वर्ष 2020-2021		
1.	एसएमएम थिएटर क्राफ्ट संग्रहालय, नई दिल्ली में संरक्षण परियोजना	इस संग्रह में मुख्यतः बहुवर्णीय लकड़ी के मुखौटे, चमड़े के कठपुतली, लकड़ी की कलाकृतियाँ, कागज़ की सामग्री आदि शामिल हैं, जो भारतीय लोक कलाओं से संबंधित हैं।	101
2.	एनआईटी, नागपुर में बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की व्यक्तिगत वस्तुओं की संरक्षण परियोजना	कपड़े, पानी के घड़े, चूल्हे आदि।	1358
3.	श्री मारुति मंदिर परियोजना, केआर नगर, कर्नाटक में संरक्षण परियोजना-	इन चित्रों का उपयोग रामनवमी उत्सव की शोभायात्रा के दौरान पूजा के लिए किया जाता था। परंपरागत मैसूर पेंटिंग में इनका बहुत बड़ा कलात्मक और सांस्कृतिक महत्व है।	02
	2021-2022		
4.	महाराजाधिराज लक्ष्मेश्वर सिंह संग्रहालय, दरभंगा, बिहार में संरक्षण परियोजना	संग्रह में हाथीदांत, चांदी, हड्डी और लकड़ी की कलाकृतियाँ शामिल हैं	176
5.	पटना संग्रहालय, पटना की विभिन्न प्रकार की वस्तुओं का संरक्षण	राहुल सांकृत्यायन की पांडुलिपियाँ, सिलिका चित्र, काँच के चित्र, वस्त्र	पांडुलिपियों के 500 फोलियो, 12 सिलिका चित्र, 6 काँच के चित्र
	2022-2023 & 2023-2024		
6.	सुलतानपुर संग्रहालय, उत्तर प्रदेश में संरक्षण परियोजना	12वीं से 17वीं सदी की मूर्तियों का संग्रह और विभिन्न शैलियों की चित्रकला, गणेश की लकड़ी की मूर्तियाँ।	76
7.	श्री चित्रा एनक्लेव, त्रिवेंद्रम, चिड़ियाघर परिसर में स्वर्ण रथ	18वीं सदी का त्रावणकोर शाही परिवार का स्वर्ण रथ, जिसका	01

	की संरक्षण परियोजना	उपयोग राजा दशहरा उत्सव के लिए करते थे। यह 18x9x23 फीट का विशाल रथ है जो स्वर्ण के फ्वायल और चांदी के धागे से सुंदर तरीके से सुसज्जित है।	
	2023-24-25		
8.	जे.जे. कॉलेज ऑफ आर्ट्स, मुंबई में संरक्षण परियोजना	महाराष्ट्र राज्य के समकालीन कलाकारों की पेंटिंग्स	100
9.	जे.जे. कॉलेज ऑफ आर्ट्स, मुंबई में संरक्षण परियोजना	ललित कला से संबंधित पुस्तकें	100
10.	श्री अंबुजावल्ली मंदिर, मैसूर कर्नाटक में संरक्षण परियोजना- श्री वराहस्वामी और अंबुजावल्ली मंदिर, जो मैसूर पैलेस परिसर के भीतर स्थित हैं।	बेळूर और सोमनाथपुरा के मंदिरों जैसी उत्कृष्ट भित्ति चित्रों और वास्तुकला को प्रदर्शित करती हैं। शिलालेखों से पता चलता है कि इनका निर्माण 1672–1704 ईस्वी के बीच हुआ था। ऐतिहासिक अभिलेखों के अनुसार, श्री चिक्कदेवराज वाडियार ने 1809 में श्रीरंगपटना से वराहस्वामी की मूर्ति लाई और होयसला शैली में इस मंदिर का निर्माण करवाया। अंबुजावल्ली मंदिर का निर्माण मुम्मडी कृष्णराज वाडियार के शासनकाल में हुआ था, जो मैसूर की पारंपरिक कला के शिखर का प्रतीक है। मंदिर निर्माण की तारीखें ज्ञात हैं, लेकिन चित्रकला की तारीखें दर्ज नहीं हैं।	350 वर्ग फीट
	2024-2025		
11.	श्रीमती मारुति मंदिर परियोजना, केआर नगर, कर्नाटक में संरक्षण परियोजना	मंदिर ट्रस्ट के अनुसार, ये चित्र नब्बे वर्ष से अधिक पुराने हैं और इन्हें रामनवमी उत्सव की शोभायात्रा के दौरान पूजा के लिए उपयोग किया जाता है। पारंपरिक मैसूर चित्रकला में इनका महान कलात्मक और सांस्कृतिक महत्व है।	02

12.	राजभवन लखनऊ में बेगम समरू की तेल चित्रकला की संरक्षण परियोजना।	बेगम समरू की तेल चित्रकारी की गई थी, चित्रों को सुंदर फ्रेमों से सजाया गया था, जिनमें असली सोने का रंग था, जो कई परतों में लगे व्यावसायिक सोने के रंग के नीचे छिपा हुआ था। जोआना नोबिलिस सोम्ब्रे (लगभग 1753 – 27 जनवरी 1836), जिन्हें आम तौर पर बेगम समरू के नाम से जाना जाता है, जो धर्म परिवर्तन कर कैथोलिक ईसाई बनी, ने 18वीं सदी के भारत में एक नर्तकी के रूप में अपना करियर शुरू किया, और अंततः मेरठ के पास एक छोटी रियासत सरधना की शासक बनी।	02 (7x 4 फीट आकार)

संरक्षण संबंधी प्रशिक्षण

वर्ष	**पाठ्यक्रम का नाम/व्यावहारिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम/कार्यशाला**	**प्रतिभागियों की संख्या**
2020-21	सांस्कृतिक संपत्ति के संरक्षण में छह माह का पाठ्यक्रम।	07
2021-22	सांस्कृतिक संपत्ति के संरक्षण में छह माह का पाठ्यक्रम।	05
	बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के संग्रहालयशास्त्र विभाग के एम.ए. संग्रहालयशास्त्र के छात्रों के लिए कला वस्तुओं के संरक्षण में दो सप्ताह का व्यावहारिक प्रशिक्षण।	12
	संपूर्णानन्द विश्वविद्यालय, वाराणसी में संग्रहालयशास्त्र एवं पुरातत्वशास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के छात्रों के लिए संग्रहालय वस्तुओं के संरक्षण पर दो सप्ताह का व्यावहारिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।	22
	रबींद्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता के संग्रहालयशास्त्र के परास्नातक छात्रों के लिए संग्रहालय वस्तुओं के संरक्षण में दो सप्ताह का व्यावहारिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	10
2022-23	सांस्कृतिक संपत्ति के संरक्षण में छह माह का पाठ्यक्रम	09

	तैल चित्रों के संरक्षण में व्यावहारिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	11
	दीवार चित्रों के संरक्षण में व्यावहारिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	07
	रबीन्द्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता के संग्रहालय विज्ञान के मास्टर छात्रों के लिए संग्रहालय वस्तुओं के संरक्षण में दो सप्ताह का व्यावहारिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	23
	संपूर्णानंद विश्वविद्यालय, वाराणसी के संग्रहालयशास्त्र और पुरातत्वशास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के छात्रों के लिए संग्रहालय वस्तुओं के संरक्षण में दो सप्ताह का व्यावहारिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	26
	बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के संग्रहालयशास्त्र विभाग के एम.ए. संग्रहालयशास्त्र के छात्रों के लिए कला वस्तुओं के संरक्षण में दो सप्ताह का व्यावहारिक प्रशिक्षण	10
2023-24	सांस्कृतिक संपत्ति के संरक्षण में छह माह का पाठ्यक्रम	11
	वाराणसी के संपूर्णानंद विश्वविद्यालय के संग्रहालय विज्ञान और पुरातत्व में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के छात्रों के लिए संग्रहालय वस्तुओं के संरक्षण में दो सप्ताह का व्यावहारिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	16
	काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के संग्रहालय विभाग के एम.ए. संग्रहालय विज्ञान के छात्रों के लिए कला वस्तुओं के संरक्षण में दो सप्ताह का व्यावहारिक प्रशिक्षण	08
	स्कूल ऑफ हेरिटेज रिसर्च एंड मैनेजमेंट, नई दिल्ली के एम.ए. संरक्षण विभाग के एम.ए. संग्रहालय विज्ञान के छात्रों के लिए चित्रों के संरक्षण में दो सप्ताह का व्यावहारिक प्रशिक्षण।	06
	महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ विश्वविद्यालय, वडोदरा के संग्रहालय विभाग के एम.ए. संग्रहालयशास्त्र के छात्रों के लिए चित्रों के संरक्षण में दो सप्ताह का व्यावहारिक प्रशिक्षण	06
	रवींद्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता के संग्रहालयशास्त्र के मास्टर छात्रों के लिए संग्रहालय वस्तुओं के संरक्षण में दो सप्ताह का व्यावहारिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।	25
2024-25	सांस्कृतिक संपत्ति के संरक्षण में छह माह का पाठ्यक्रम	29
	स्कूल ऑफ हेरिटेज रिसर्च एंड मैनेजमेंट, नई दिल्ली के एम.ए. संरक्षण विभाग के एम.ए. संग्रहालयशास्त्र के छात्रों के लिए संग्रहालय वस्तुओं के संरक्षण में दो सप्ताह का व्यावहारिक प्रशिक्षण	15
	बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के संग्रहालयशास्त्र विभाग के एम.ए. संग्रहालयशास्त्र के छात्रों के लिए कला वस्तुओं के	08

	संरक्षण में दो सप्ताह का व्यावहारिक प्रशिक्षण	
	संपूर्णानंद विश्वविद्यालय, वाराणसी के संग्रहालय विज्ञान और पुरातत्व में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के छात्रों के लिए संग्रहालय वस्तुओं के संरक्षण में दो सप्ताह का व्यावहारिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	26
	रबींद्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता के संग्रहालय विज्ञान के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए संग्रहालय वस्तुओं के संरक्षण में दो सप्ताह का व्यावहारिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	33
2025 - 26	नेशनल गैलरी ऑफ फाइन आर्ट्स, क्वाला लंपुर, मलेशिया में एनआरएलसी द्वारा भारत में चित्रकला संरक्षण प्रथाओं पर एक सप्ताह का अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला	28
	सांस्कृतिक संपत्ति के संरक्षण में छह माह का पाठ्यक्रम	24

एनआरएलसी- पुस्तकालय ने कर्मचारियों को शामिल करते हुए संरक्षक, छह माह की अवधि वाले प्रशिक्षुओं, शोध विद्वानों आदि सहित भारत के विभिन्न भागों के पाठकों को परिसंचरण सेवाएँ और संदर्भ सेवाएँ प्रदान कीं।

****